

## Educational Programmes

A culture is very closely linked with its language. A well articulated language is the measure of the depth of thought and creation a culture has accomplished, a record of these achievements and at the same time it is an ocean of opportunity for innumerable more acts of innovation taking place in multiple fields of human endeavor. When a society has a language as powerful as SANSKRIT there is no doubt that its culture is rich and its heritage awe-inspiring. The profound depths of Sanskrit literature have fascinated intellectuals for centuries and the more we delve into them, the more we feel the need to go further, know more. To spread the usage of this language is the need of the hour as Sanskrit is the heart of Indian culture and its preservation would mean the preservation of India. Eklavya Sanskrit Academy has therefore taken the responsibility of bringing the Sanskrit language to individuals of all age groups and across various fields through simple and easy programs which are very affordable for all strata of society. Eklavya Sanskrit Academy is a non-profit organization for Sanskrit Prachar- the spread of Sanskrit and given below is the list of programs and activities that we conduct:

हर संस्कृति, हर सभ्यता का अपनी भाषा के साथ गहरा सम्बन्ध होता है। भाषा के शब्द विन्यास का प्राचुर्य और उसकी व्याकरण की प्रबुद्धता एक संस्कृति की उपलब्धियों का मापक है और इन उपलब्धियों को लिपिबद्ध करने का ज़रिया भी है। साथ ही साथ यह एक संभावनाओं का समुद्र है जिससे विभिन्न क्षेत्रों में सर्जन करने के असीमित संयोग उत्पन्न होते हैं। तो फिर यह समझना अत्यंत सरल है कि जिस समाज के पास 'संस्कृत' जैसी भाषा है उसकी संस्कृति निश्चित रूप से समृद्ध होगी और परंपरागत विरासत अत्यंत उच्च श्रेणी की होगी। संस्कृत भाषा के साहित्य की प्रकांड गहराई सदियों से बुद्धिजीवियों को आकर्षित करती आई है और जितना हम इसके विषय में जानते चले जाते हैं उतनी ही इसके प्रति हमारी उत्कंठा बढ़ती जाती है। अतः संस्कृत भाषा को बढ़ावा देना हमारे समय में अत्यावश्यक है; इस भाषा का संरक्षण ही भारत का संरक्षण है। यही कारण है कि 'एकलव्य संस्कृत अकादमी' ने संस्कृत के ज्ञान को जन जन तक पहुँचाने का बीड़ा उठाया है और इसके अंतर्गत प्रत्येक आयु-वर्ग के लिए सरल पाठ्यक्रम तैयार किये गए हैं जिनका शुल्क वहन करना किसी के लिए भी मुश्किल नहीं है। 'एकलव्य संस्कृत अकादमी', संस्कृत भाषा के प्रसार के लिए स्थापित की गयी एक गैर-लाभ संस्था है और यहाँ निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं:

## 1. Spoken Sanskrit Programs

Spoken Sanskrit Programs: The academy has a very well-designed curriculum for teaching Sanskrit in the way we learn any modern day language; the students are taught to speak it in their day to day life and read stories and other simple texts to become familiar with its grammar and vocabulary. This is how a child picks up any language so this is the right way in which a language should be taught to any age-group of people. Individuals from many walks of life attend these courses, the schedules and timings of which are decided keeping in mind the professional commitments of the attendees.

संस्कृत-संभाषण-वर्गः अकादमी का संस्कृत शिक्षण का पाठ्यक्रम ठीक उसी तरह निर्धारित किया गया है जिस तरह प्राकृतिक रूप से हम कोई भी भाषा सीखते हैं। कहने का तात्पर्य ये है कि विद्यार्थी सबसे पहले इस भाषा को दिन प्रति दिन के सन्दर्भों में बोलना सीखते हैं और कहानियों एवं सरल गद्य की मदद से शब्दों और व्याकरण का ज्ञान अर्जित करते हैं। कोई भी बालक भाषा को पहले बोलना ही सीखता है और यही सही प्रणाली है जिससे भाषा का ज्ञान किसी भी आयु के संस्कृत सीखने के इच्छुक को दिया जाना चाहिए। कार्यक्रम के समय का निर्धारण इस बात को ध्यान में रखकर किया गया है कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत व्यक्ति कक्षा वर्गों में सरलता से पहुँच सकें।

## 2. Diploma in Sanskrit Teaching

Diploma in Sanskrit Teaching: This program aims to train individuals who wish to formally teach Sanskrit and has been evolved in response to the growing need of good Sanskrit teachers in today's times. The curriculum ensures that candidates acquire proficiency in the language, confidence to face a class of students, right methods of designing a pedagogy, the skill to create relevant teaching-learning materials and finally the will to spread Sanskrit and to understand this to be a cardinal duty.

संस्कृत शिक्षण डिप्लोमा वर्तमान परिस्थिति में संस्कृत भाषा सिखाने हेतु योग्य शिक्षकों की आवश्यकता महसूस हो रही है और इसी को ध्यान में रखते हुए अकादमी ने ये कार्यक्रम तैयार किया है। पाठ्यक्रम में ये सुनिश्चित किया गया है न केवल भाषा का पुष्ट ज्ञान दिया जाये अपितु विद्यार्थी में पढ़ाने का आत्मविश्वास विकसित हो, पठन पाठन की प्रणाली को सृजनात्मक बनाने में वो सतत प्रयासरत रहे और पठन पाठन सामग्री का निर्माण भी कर सकें। विद्यार्थी में यह समझ भी विकसित की जाती है कि संस्कृत का प्रचार करना उसका दायित्व है और शिक्षण प्रदान करना उसी दिशा में एक कदम होना चाहिए।

### 3. Bal Sanskar Kendra

Bal Sanskar Kendra: This program is also referred to as 'Value Education in Sanskrit' and is conducted for children studying in Sr. KG to Std. IV. Here, the language is taught by way of songs, poems, educational games etc. standing true to the oral tradition of imparting education in our culture. Outdoor activities are organized to punctuate the formality of the classroom. Children are quick learners and what they learn at this age is foundational in nature and has far reaching effects in their life. That is why the title of this program refers to 'sanskar'.

बालसंस्कारकेन्द्रम् इस कार्यक्रम को 'वैल्यू एजुकेशन इन संस्कृत' नाम से भी जाना जाता है और ये सीनियर के. जी. से लेकर कक्षा चार तक के विद्यार्थियों के लिए ही है। यहाँ बालगीत, कविता, खेल इत्यादि के माध्यम से श्रुत परम्परा के अंतर्गत संस्कृत का ज्ञान दिया जाता है। कई गतिविधियाँ कक्षा के बाहर प्राकृतिक वातावरण में भी संचालित की जाती हैं। बच्चे, वयस्कों की तुलना में ज्यादा तेज़ीसे सीखते हैं और इस उम्र में अर्जित ज्ञान आने वाली आयु के लिए एक पुष्ट नींव का निर्माण करता है। इसी कारण से इस कार्यक्रम के नाम में 'संस्कार' शब्द निहित है।

### 4. Bal Sanskrit Varga

Bal Sanskrit Varga: These are Sanskrit classes conducted specially for children studying in Std V to Std VIII. The academy realizes that it is important in our times to fight the rampant manner in which children are becoming dependent on tuition classes. This is an attempt to put forth an alternative model where students are helped to increase their efficiency at a language which in the long run shall improve their performance in the school as well.

बालसंस्कृतवर्गः ये वर्ग खास तौर पर कक्षा पांच से लेकर कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों के लिये तैयार किया गया है। अकादमी का ऐसा विश्वास है कि सतत प्रयास के माध्यम से हमारे समय में बालकों को ट्यूशन क्लास पर निर्भरता से मुक्त कराने की आवश्यकता है। हम किसी भी विद्यालय के पाठ्यक्रम को लेकर नहीं चलते अपितु हमारे वर्ग की सहायता से बालक का मूल ज्ञान विकसित होता है और अंततः विद्यालय की परीक्षा में भी उसका नतीजा साफ दिखता है। संस्कृत सीखने से मातृ भाषा पर भी प्रभुत्व प्राप्त होता है।

## 5. Sanskrit Grammar Support Class

Sanskrit Grammar Support Class: At the level of the IX and the X Std it has been felt that students need a little support from other sources to strengthen their fundamentals. This module helps them to increase their hold upon the grammar and it too in an alternate model rejects the tuition class format of following nothing but specific examination requirements. Rather, the support class believes in imparting a life-skill to the student that would stay with him or her, throughout their life.

संस्कृत व्याकरण वर्ग: कक्षा नौ और दस के विद्यार्थियों के लिए व्याकरण का ज्ञान अनिवार्य है और इसके लिए उन्हें सहायता की आवश्यकता महसूस होती है। हमारे वर्ग से न सिर्फ मूल सिद्धांतों पर उनकी पकड़ मजबूत होती है बल्कि ट्युशन क्लास की अपेक्षा उनमें अधिक आत्मविश्वास विकसित होता है क्योंकि यहाँ मात्र परीक्षा को केंद्र में रखकर शिक्षण नहीं दिया जाता। ये ज्ञान आजीवन उनके मस्तिष्क में प्रकाशमान रहता है।

## 6. Stotra Path

Stotra Path: Growing up in India all of us at some point in our life learn to recite Sanskrit Shlokas and Stotras, yet we feel that our knowledge of the meter or chhand, the tune and of the meaning is half baked. Eklavya Sanskrit Academy runs extensive sessions to teach a stotra in its entirety right from the way of chanting its original text to understanding its basic meanings and its philosophical connotations.

स्तोत्रपाठ: भारत में शिक्षण प्राप्त करते हुए हम सभी का संस्कृत श्लोक पाठ और स्तोत्र पाठ के साथ साक्षात्कार होता ही है परन्तु हमें यह महसूस होता है कि छन्द का हमारा ज्ञान पुष्ट नहीं है और लय और ताल पर भी पकड़ बहुत मजबूत नहीं है। एकलव्य संस्कृत अकादमी में स्तोत्र उच्चारण एवं गायन की उचित पद्धति, उसका अर्थ तो सिखाया ही जाता है और साथ ही साथ उसकी दर्शन से संबंधित विषय वस्तु पर भी चर्चा की जाती है।

## 7. The Taste Of Sanskrit Literature

The Taste Of Sanskrit Literature: Time and again sessions are organized where an expert speaks about a certain text, work of poetry or that of philosophy in the domain of Sanskrit Literature to bring out the rasa- the aesthetic beauty hidden in

these and listeners can then experience the pure joy of Sanskrit. At times, an entire text is taken and explained in the class.

संस्कृत साहित्य का आस्वादन अकादमी के परिसर में समय समय पर ऐसे सत्र आयोजित किये जाते हैं जिनमें अपने विषय में पारंगत विद्वान् संस्कृत साहित्य के किसी गद्य, पद्य अथवा दार्शनिक लेखन पर व्याख्यान देते हैं। साहित्य में निहित रस को वो श्रोताओं तक पहुंचाते हैं और श्रोता इस प्रकार से संस्कृत भाषा के सौन्दर्य को महसूस कर आनंदित होते हैं। कई सत्रों में एक ग्रन्थ को चुनकर उसका पूर्ण अध्ययन भी कराया जाता है।

## 8. Sanskrit Garba

Sanskrit Garba: To ensure the spread of Sanskrit language, it was felt that there was an ardent need to organize activities towards which people are easily attracted. Every year, the Academy organizes a Garba during the nine day Navratri Festival, where all songs sung are in Sanskrit. It is a much attended and exciting event that in a fun way inculcates the value of the Sanskrit language.

संस्कृत गरबा संस्कृत भाषा को जन जन तक पहुंचाने के लिए ऐसे प्रचारात्मक कार्यक्रमों को आयोजित करना आवश्यक है जिनके प्रति लोगों का सहज आकर्षण हो। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हर वर्ष एकलव्य संस्कृत अकादमी, नवरात्री के त्योहार के अंतर्गत गरबा समारोह का आयोजन करती है जहाँ सभी गरबा गीत संस्कृत में गाये जाते हैं। संस्कृत प्रेमियों का एक समूह बहुत लगन के साथ इन गीतों को गाने का अभ्यास समारोह से कुछ दिनों पहले शुरू कर देता है। इस कार्यक्रम में सभी संस्कृत प्रेमी अत्यंत उत्साह के साथ भागीदारी करते हैं।

## 9. Sanskrit Club

Sanskrit Club: Once in a month Sanskrit lovers meet at the Academy for a session of the Sanskrit club where based on a theme a single speaker or multiple speakers exchange ideas over a Sanskrit related topic. Themes have varied from 'Subhashitani' to 'Bhagwad Gita' to a poet like Kalidas etc. This gives a chance of participation to individuals who usually have been in the audience and have felt the need to express their opinions regarding a certain topic.

संस्कृत क्लब माह में एक बार संस्कृत प्रेमी अकादमी परिसर में संस्कृत क्लब के अंतर्गत मिलते हैं जहाँ एक वक्ता चुनिन्दा विषय वस्तु पर अपना मत व्यक्त करता है अथवा तो आने वाले सभी लोग इसमें चर्चा करते हुए भाग लेते हैं। क्लब के

विषयों में अब तक सुभाषित, भगवद्गीता, कालिदास इत्यादि रहे हैं। इससे बहुत से ऐसे संस्कृत प्रेमियों को आगे बढ़ कर भाग लेने का अवसर मिलता है जो कि अधिकतर समय श्रोता के रूप में ही उपस्थित रहते हैं।

### **10. Sanskrit 'Sampratam'**

Sanskrit 'Sampratam': Sampratam is a monthly Sanskrit magazine published by the Academy with articles on Philosophy, Literature, value education etc. There is a section which publishes jokes and another one which carries stories. The power of a magazine in enlivening a language can never be underestimated and its circulation is one activity of the spread of Sanskrit that gives great pride to the Academy.

संस्कृतसाम्प्रतम् 'साम्प्रतम्' मासिकी संस्कृत पत्रिका है जिसे अकादमी द्वारा प्रकाशित किया जाता है और इसमें चर्चित विषयों, साहित्य, सामाजिक मूल्यों आदि को लेकर लेख होते हैं; संस्कृत चुटकुले और कहानियां भी छपी जाती हैं। इसके पीछे का मूल उद्देश्य है कि संस्कृत अध्येताओं को प्रतिमाह संस्कृत में पढ़ने के लिए एक पत्रिका सुलभ रूप से प्राप्त हो। किसी भी भाषा के प्रचार में पत्रिका का अत्यंत महत्त्वपूर्ण योगदान होता है और इस पत्रिका को प्रकाशित एवं वितरित करने में अकादमी को बेहद गर्व महसूस होता है।

### **11. Sanskrit Prachaar Vyakhyan**

Sanskrit Prachaar Vyakhyan: Academic lectures appeal to a very different section of society as compared to entertainment and leisure activities or those of classroom training. Thus, expert lectures are organized on specific topics to drive home the message in intellectual circles that the preservation and spread of Sanskrit is of tremendous import.

संस्कृत प्रचार व्याख्यान अकादमिक व्याख्यान उस सामाजिक श्रेणी के व्यक्तियों के लिए हैं जिनतक खेल और मनोरंजन की मदद से एवं कक्षा सत्रों में सिखाई जाने वाली संस्कृत भाषा के माध्यम से नहीं पहुंचा जा सकता। उनके लिए प्रचार व्याख्यान रखकर उन्हें पूरी गंभीरता के साथ अवगत कराया जाता है कि संस्कृत का प्रचार कितना महत्त्वपूर्ण है।

### **12. Publications**

Publications: Eklavya Sanskrit Academy has published three books till date, respectively titled: 'Kripya hasantu', 'Ek Panchashat Katha', 'Vikshepasya Pareeksha'. A new publication is in the works: 'Sanskruite 101 kathah'. We plan to

bring out may such books that place Sanskrit in a creative format in modern day situations.

प्रकाशन एकलव्य संस्कृत अकादमीअब तक तीन पुस्तकें प्रकाशित कर चुकी है जिनके शीर्षक हैं: 'कृपया हसन्तु', 'संस्कृते एक पञ्चाशत् कथा:', 'विक्षेपस्य प्रतीक्षा' । एक अन्य पुस्तक प्रकशित होने की तैयारी में है 'संस्कृते १०१ कथा:'। इस तरह की और बहुत सी पुस्तकें प्रकाशित करने का हमारा लक्ष्य है ताकि संस्कृत को वर्तमान सन्दर्भ में सृजनात्मक प्रारूप में लोगों के सामने प्रस्तुत किया जा सके ।

### **13. Sanskrit Sangeetotsav**

Sanskrit Sangeetotsav: Music is not only a form of entertainment but also defines our relationship with art and language and that is why the Academy felt it was an important source through which the spread of Sanskrit could be ensured. A Sanskrit Sangeetotsav is now organized every year within which many songs in Sanskrit are sung during a stage presentation by individuals or groups. This Music fest has indeed been very popular among the people.

संस्कृतसंगीतोत्सव संगीत मनोरंजक तो है ही साथ ही श्रोता को कला एवम् भाषा से भी जोड़ता है और इसलिए एकाडमी द्वारा प्रति वर्ष संस्कृतसंगीतोत्सव का आयोजन किया जाता है जिसमें विभिन्न प्रकार के बहुत से संस्कृत गीत और प्रचलित स्तोत्र मंच पर प्रस्तुत किये जाते हैं । यह कार्यक्रम बहुत लोकप्रिय सिद्ध हुआ है ।